

## Hindi Literature Project

प्र०<sub>1</sub>- नेकी का फल कहानी के किस पात्र ने आपको सबसे अधिक प्रभावित किया है और क्यों ?  
आपने उस पात्र से क्या सीखा है ?

उ०<sub>1</sub>- नेकी का फल पात्र में लिल मिलर मुझे सबसे प्रभावित करने वाला पात्र लगा क्योंकि लिल मिलर अच्छे कार्य करने वाले व्यक्तियों को प्रोत्साहित करती हैं और उनकी कुछ शिष्टाचारों को तैयार कर देकर सम्मानित करती हैं ।

हमने इस पात्र से यह शिक्षा मिलती है कि अच्छे और



इमानदार व्यक्तियों की मदद करनी चाहिए एवं उनका मनोबल बढ़ाना चाहिए ।

प्र०<sub>2</sub>- अपनी - अपनी समझ कविता से हमें क्या शिक्षा मिलती है ? आपके जीवन का लक्ष्य क्या है और उसे पाने के लिए आप क्या प्रयास कर रहे हैं ? लिखिए ।

उ०<sub>2</sub>- अपनी - अपनी समझ पाठ से हमें यह शिक्षा मिलती है कि मेहनत करने वाले को ही सफलता मिलती है । अगर हम मेहनत नहीं करेंगे और केवल भगवान से प्रार्थना करेंगे तो हमें सफलता



नही मिलती है।

मेरे जीवन का लक्ष्य यह है  
की मैं अच्छी इंसान बनूँ। मैं  
एक अच्छी इंसान बनकर अपने  
कर्तव्य का पालन कर सकूँ।

इसके लिए मैं यह प्रयास  
करती हूँ कि मैं सारे नियम  
पूरा करूँ।



## Hindi Language Project

प्र० 1- निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिंदी में लगभग 200 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए-

(क) अपने किसी प्रिय त्यौहार का वर्णन कीजिए ।

या

(ख) किसी ऐसी यात्रा का वर्णन कीजिए जिसमें आपको अति आनंद आया हो ।



## मेरी आनंदित यात्रा

यात्रा करने का सबको शौक होता है। मुझे भी यात्रा करने का शौक है। मैं हमेशा चाहती हूँ कि मेरे पापा मुझे किसी यात्रा पे ले। फिर मेरे पापा ने सिंगापुर ~~जा~~ जाने का प्लान बनाया और हवाई-जहाँज, होटल, धूमने की जगह, आदि बूक करवा लिया था। हम सिंगापुर हवाई-जहाज से गये थे। हमने अपने कपड़े और जरूरत का सामान रख लिया था। हम लोग फ्लाइट से सिंगापुर पहुँच गये।



सिंगापुर में हमने खूब हरियाली  
देखी और बहुत मजा किया। पहले  
दिन तो हमने होटल में आराम  
किया और दूसरे दिन सैर के  
लिए निकल गए। उस दिन हम  
लोग सबसे पहले यूनिवर्सल  
स्टूडियो गये थे। वहाँ ~~बहुत~~ अजरिबल  
झूलने के जिनसे बहुत मजा आ  
रहा था। हम लोग वहाँ ट्रान्सफॉर्मर  
वाले झूलने में गये थे। यह तो शौ  
था। यह स्कदम असली लगा रहा  
था। तीसरे दिन हम लोग सिंगापुर  
फ्लायर गये थे। वो इतना बड़ा  
था की उससे पूरा सिंगापुर  
दिखता है। उसके अंदर AC, TV,



कुछ कुर्सियाँ भी थी। वह एक

~~बड़ा~~ छोटे कमरे की तरह था।

हम मरलायन पार्क भी देखने  
गये हैं, जहाँ हमने सिंगापुर के

बारे में विस्तार से जाना। शाम

को हम सब सिंगापुर शहर घूमने  
गये। वहाँ उंची - उंची बिल्डिंग

बहुत अच्छी लग रही थी। हमारी

आगे की यात्रा एक क्रूज पर

थी। हम दोपहर को ही क्रूज

पर पहुँच गये थे, बहुत बड़ा

क्रूज था। इसमें एक बार में 3000

लोग यात्रा कर सकते थे। क्रूज

में एक सिथेटर, तरणताल भी था।

वहाँ हमें बहुत मजा आया।



क्रूज से हम मलेशिया पहुँच गये।  
मलेशिया भी बहुत सुंदर जगह है।  
वहाँ हमने बहुत जगह देखी जैसे  
की ट्विन टावर, चॉकलेट फैक्ट्री  
आदि। हमने मलेशिया शहर भी घूमा।

फिर हम ~~स~~ लौगा ~~मलेशिया~~  
से वापस आ गये। अगले दिन  
हम लौगा फ्लाइट से लखनऊ  
को वापस आ गये। हमारी सिंगापुर  
की यात्रा बहुत यादगार थी।